संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में 1 अगस्त, 2018 को वर्ष 2013, 2014, 2015, 2016 एवं 2017 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्रदान करने वाले समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

———

1. यह मेरे लिए अत्यन्त सौभाग्य और सम्मान की बात है कि मैं वर्ष 2013 से 2017 तक पिछले पांच वर्षों के लिए ''उत्कृष्ट सासंद पुरस्कार'' प्रदान करने के इस गरिमापूर्ण समारोह में आपका स्वागत कर रही हूं। माननीय राष्ट्रपति जी की गरिमामय उपस्थिति एवं इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को प्रदान करने हेतु उनकी सहमति के लिए उनके आभारी हैं। माननीय उपराष्ट्रपति जी और माननीय प्रधानमंत्री जी का भी इस अवसर पर हार्दिक स्वागत करती हूं। मैं उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्राप्त करने वाले सांसदों को हार्दिक बधाई प्रेषित करती हूं।

2. भारतीय संसदीय ग्रुप द्वारा संस्थापित उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार उन सांसदों को प्रदान किया जा रहा है जिन्होंने अपने संसदीय कर्त्तव्यों के निवर्हन में अनुकरणीय दृष्टांत प्रस्तुत करते हुए संसदीय परंपराओं के उच्च मानक स्थापित किए हैं। इतिहास हमेशा से साक्षी रहा है कि हमारी संसद में अनेक तेजस्वी, कर्मठ और अनुभवी सांसद रहे हैं जिन्होंने लोकतंत्र की इस पवित्र संस्था की कार्यवाही में अपनी अमिट पहचान एवं छाप छोड़ी है। आज, उस सम्मानित सूची में पांच और नाम जुड़ने जा रहे हैं जो किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

3. वर्ष 2013 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार अनुभवी सांसद व वर्तमान में मणिपुर की राज्यपाल एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. नज़मा हेपतुल्ला जी को दिया

जा रहा है। वे 17 वर्षों तक राज्य सभा की उपसभापति भी रह चुकी हैं। संसद में 34 वर्षों का उनका विशद अनुभव रहा है। राज्य सभा के पीठासीन अधिकारी के रूप में अपने योगदान से उन्होंने संसदीय प्रणाली और परम्पराओं को और समृद्ध बनाया है। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर उन्होंने अपने कूटनीतिक एवं प्रशासनिक कौशल का परिचय दिया है। उनके व्यापक अनुभव एवं प्रतिभा का लाभ भारतीय राजनीति को मिला है। 1999 में उन्हें सर्वसम्मति से Inter Parliamentary Union की पहली महिला Chairperson बनने का गौरव भी प्राप्त हुआ था। सम्पूर्ण विश्व में लोकतंत्र को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों का सम्मान करते हुए उन्हें अंतर–संसदीय संघ ने वर्ष 2002 में Inter Parliamentary Union का Honorary Life President मनोनीत किया है।

4. वर्ष 2014 के लिए बिहार के मधुबनी से लोक सभा सदस्य एवं किसानों के हितचिंतक माननीय हुक्मदेव नारायण यादव को उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार के लिए चुना गया है। वे पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से प्रतिष्ठित सार्वजनिक जीवन में है और वे अपनी वक्तृत्व कला से सदन में आम जनता (विशेषकर किसानों और गरीबों) एवं अपने संसदीय क्षेत्र के सरोकारों को बहुत ही सशक्त तरीके से रखते हैं। वे केन्द्रीय राज्य मंत्री के रूप में देश को अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपनी अनूठी भाषा शैली और धारदार तर्कों की वजह से संसदीय चर्चाओं में वे सभी का ध्यान आकर्षित करते हैं। अत्यन्त सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले, लोकप्रिय और समर्पित जन नेता के रूप में उनका जमीन से जुड़े लोगों के साथ घनिष्ठ और गहन सम्पर्क है। उनमें आम जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं को महसूस करने की विलक्षण क्षमता है।

5. वर्ष 2015 के लिए यह पुरस्कार 45 वर्षों से राजनीति में सक्रिय जम्मू और कश्मीर से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सम्माननीय राज्य सभा सांसद श्री गुलाम नबी आज़ाद को दिया जा रहा है। एक अनुभवी, सुलझे हुए राजनीतिज्ञ एवं अपनी पार्टी के संकटमोचक कहे जाने वाले श्री आज़ाद पूर्व में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, संसदीय कार्य एवं शहरी विकास मंत्रालयों में कैबिनेट मंत्री एवं जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में देश को अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने अनुभव, राजनीतिक समझ एवं व्यवहारकुशलता के कारण वे पक्ष–विपक्ष दोनों में समान आदर पाते हैं। संसदीय राजनीति में उनके योगदान का सम्मान करते हुए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान करने में हमें अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है।

6. वर्ष 2016 के लिए यह पुरस्कार बैरकपुर, पश्चिम बंगाल से अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के लोक सभा सदस्य एवं पिछले 4 दशकों से भारतीय राजनीति में सक्रिय श्री दिनेश त्रिवेदी जी को दिया जा रहा है। श्री दिनेश त्रिवेदी की पहचान एक गंभीर, विचारवान, प्रबुद्ध वक्ता एवं सांसद के रूप में है। जब वे संसद में बोलते हैं तो अत्यन्त गंभीर तर्कों के साथ अपनी बेबाक राय निष्पक्ष तरीके से देते हैं और उनका विचार प्रकटीकरण हमेशा उच्च स्तर का होता है।

7. इस कड़ी में अगला नाम बीजू जनता दल के लोकप्रिय एवं मृदुभाषी लोक सभा सदस्य श्री भर्तृहरि महताब का है जिन्हें वर्ष 2017 के लिए उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। उड़ीसा के कटक से लगातार 5 बार लोक सभा सदस्य चुना जाना उनकी लोकप्रियता का परिचायक है। उनके विद्वतापूर्ण भाषण एवं विभिन्न विषयों पर लोक सभा में उनके द्वारा की गई चर्चाएं एवं वाद–विवाद उन्हें उन प्रतिष्ठित सांसदों की श्रेणी में ले जाते हैं जिन्होंने

विविध विषयों पर गंभीरता से सारगर्भित मंतव्य प्रस्तुत किया है जो तर्कसंगत भी है और सार्थक भी। संसद में अपने सहयोगियों के प्रति भी उनका व्यवहार बहुत शालीन एवं आदरपूर्ण होता है एवं उन्होंने हमेशा अपना आचरण संसदीय गरिमा और मर्यादानुरूप ही रखा है। मृदुभाषी होते हुए भी वे अपनी बात धारदार तरीके से रखते हैं।

8. शास्त्रों में वर्णित हैः–

''विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्ये कदाचन्।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।।''

(विद्वता और राज्य अतुलनीय हैं, राजा को तो अपने राज्य में ही सम्मान मिलता है, पर विद्वान का सर्वत्र सम्मान होता है।)

9. हम सब अवगत हैं कि संसद की अवधारणा एवं इसकी कार्यकुशलता काफी हद तक सदस्यों के आचरण और कार्यनिष्पादन से प्रभावित होती है। संसद समाज का ही आईना है क्योंकि वह समाज की भावना को ही संसद में प्रतिबिम्बित करती है।

10. लोकतांत्रिक व्यवस्था शासन प्रणाली की सबसे परिष्कृत प्रणाली है और विचार–विमर्श, मत–मतान्तर, सहमति–असहमति इस व्यवस्था का अभिन्न अंग हैं एवं ये सभी लोकतंत्र को प्राणवायु प्रदान करते हैं। लेकिन यह बात सदैव ध्यान में रखनी चाहिए कि ये विमर्श, मतान्तर एवं असहमति स्वीकृत मर्यादाओं एवं शालीनता की लक्ष्मणरेखा में ही होना चाहिए। इससे लोकतंत्र के प्रति आम जनता में विश्वास और बढ़ेगा।

11. मैं यह मानती हूं कि संसद की अपनी गरिमा है जिसे अक्षुण्ण रखना सभी सांसदगणों का परम कर्त्तव्य है। ईश्वर ने हम सभी को यह अवसर प्रदान किया है तो हमें बहुदलीय व्यवस्था वाली हमारी संसद की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को और उन्नत करने के लिए ही कार्य करना चाहिए।

12. श्रीमद्भागवत गीता में कहा गया हैः–

''यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्रदेवेतरो जनः।
सयत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।''

(श्रेष्ठ पुरुष जो–जो आचरण करता है, अन्य पुरुष वैसा–वैसा ही आचरण करते हैं। वह जो कुछ प्रमाण कर देता है, समस्त मनुष्य समुदाय उसी के अनुसार बरतने लग जाता है।)

13. भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, सिद्धान्तों एवं आदर्शों का न केवल पूरे विश्व में उदाहरण दिया जाता है बल्कि ये संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। दुनिया भर में लोग उत्सुकता से हमारी संसदीय कार्यवाही को देखते हैं एवं उस पर नज़र रखते हैं।

14. आज जिन उत्कृष्ट सांसदों को यह पुरस्कार प्राप्त हो रहा है, उन्होंने अपनी विद्वता और अनुकरणीय संसदीय आचरण के द्वारा उन्होंने इस महान संस्था की गरिमा को बढ़ाया है। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं पुरस्कार प्राप्त करने वाले माननीय सांसदों एवं उनके परिवारजनों को पुनः बधाई देती हूं एवं मुझे विश्वास है कि इनकी कर्त्तव्यपरायणता, वक्तृत्व कला एवं गुणों से यहां उपस्थित अन्य सांसद भी उत्साहित एवं प्रेरित हुए होंगे। मैं पुरस्कृत सांसदों के खुशहाल और स्वस्थ जीवन की कामना करती हूं और देश–सेवा में उनके भावी प्रयासों की सफलता की कामना करती हूं।

धन्यवाद।

————